HPL(High Pressure Laminate)
12mm For Toilet Cubicle

PRINCE POLO
Mob:8422984733

Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | फरवरी 2024 | वर्ष : 19 | अंक : 03 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

चक्रेश्वर महादेव मंदिर में भगवान विश्वकर्मा की 1000 साल पुरानी मूर्ति ... पेज - 2

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

37 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

GLORIOUS RANGE OF
PREMIUM
HARDWARE &
BATH FITTINGS
PRODUCTS

PROUDLY MADE IN INDIA

Excellence in Security
Hardware and Locking Solutions
Award 2023

Manufacturer & Exporters of Hinges | Screws | Door Hardware | Locks | PTMT BATH FITTINGS

Padlocks | Butt Hinges | Aldrops | Screws | Door And Window Fittings | Cabinet Hinges | Door Closers | Mortise Handles | MPL Locks | Shutter Locks
Godown Locks | Main Door Locks | PTMT Taps | Toilet Seat Covers | ISI Flushing Cisterns, Mirror Cabinets | Bathroom Fittings | PTMT Accessories Etc.

www.suzusteel.com | www.suzu.in | Follow us on : +91-9811242777, +91-9911118272

गंगाराम विश्वकर्मा
carpentersnews.com

चक्रेश्वर महादेव मंदिर में भगवान विश्वकर्मा की 1000 साल पुरानी मूर्ति

मुंबई। उपनगर नालासोपारा के चक्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भगवान विश्वकर्मा की करीब 1000 साल पुरानी मूर्ति मिलने का दावा किया जा रहा है। वसई विरार नगर निगम अंतर्गत जिला पालघर में चक्रेश्वर तालाब के पास चक्रेश्वर महादेव मंदिर काफी प्राचीन मंदिर है। माना जाता है कि ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी से 15वीं शताब्दी ईस्वी तक सोपारा देश के पश्चिमी तट पर एक अत्यंत समृद्ध बंदरगाह था जो शूर्पारका, शूरपारका, सप्पारक आदि नामों से विख्यात था। प्राचीन काल में यह नगर अपरान्त प्रदेश जिसे वर्तमान में कोंकण कहते हैं की राजधानी थी। यह एक व्यस्त व्यापार केंद्र और शैव- बौद्ध- जैन धर्म का भी महत्वपूर्ण केंद्र भी था। इस बात का उल्लेख कार्ले, नासिक, नानेघाट और कन्हेरी के शिलालेखों में भी मिलता है। व्यापार-वाणिज्य का महत्वपूर्ण केंद्र होने के कारण यहां शिल्पी वर्ग (भगवान विश्वकर्मा की संतान - लोहार, बढ़ई, ठठेरा, राजमिस्त्री / मूर्तिकार और सुवर्णकार) विशेष रूप से पुष्पित पल्लवित हुए। चक्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति पूर्व मध्यकालीन एक हजार वर्ष पुरानी है। इस विशिष्ट मूर्ति जैसा मूर्ति देश में कहीं नहीं है।

विश्वकर्मा की प्रतिमा त्रिमुखी है, भगवान विश्वकर्मा युवा रूप में चिह्नित हैं, उनके ऊपरी दाहिने हाथ में एक उपकरण है जो आधुनिक थियोडोलाइट जैसा दिखता है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई व्यक्ति माप लेने के लिए इसे देख रहा हो। जबकि बाएं हाथ में पाटा है। कालचक्र में खोये इस परिसर का पता 1882 ईस्वी में तब पता चला, जब इतिहासकार पंडित भगवान लाल ने उत्खनन किया। उत्खनन में प्राप्त बौद्ध स्तूप को भारत सरकार ने राष्ट्रीय संरक्षित स्मारक घोषित कर दिया लेकिन सनातन मंदिर, प्रतिमाएं व वास्तुकला चारों तरफ खुले में बिखरी पड़ी है और उपेक्षित है। इन्हीं अमूल्य धरोहरों के बीच भगवान विश्वकर्मा की भव्य प्रतिमा भी है।

पूर्व रेजिडेंट कमिश्नर रविशंकर श्रीवास्तव ने कहा कि हमारी समृद्ध विरासत को बचाने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज को आगे आकर श्री विश्वकर्मा जी की प्रतिमा को संरक्षित रखने का प्रयास करना चाहिए। बिहार विश्वकर्मा समाज सेवा संघ के अध्यक्ष सुखदेव शर्मा ने राज्य सरकार से सनातन धर्म के अवयवों को राजकीय संरक्षित स्मारक का दर्जा दिए जाने की मांग की है। उन्होंने पर्यटन व कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा को पत्र लिखकर भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति की पुनः प्राणप्रतिष्ठा, जीर्णोद्धार व राजकीय महत्व के पर्यटन स्थल घोषित किये जाने की मांग की है।

विश्वकर्मा माहात्म्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रयागराज। सामाजिक संस्था विश्वकर्मा सामाजिक चेतना मिशन के तत्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी श्री विश्वकर्मा माहात्म्य एक विमर्श का आयोजन रविवार 3 मार्च 2024 को अखिल भारतीय सरदार पटेल सेवा संस्था, अलोपीबाग, प्रयागराज में रखा गया है। संगोष्ठी में वेद, उपनिषद, पुराण, आर्ष ग्रंथों व विविध ग्रंथों में श्री विश्वकर्मा माहात्म्य के साथ विश्वकर्मा समाज की विभूतियां, विश्वकर्मा समाज की वर्तमान दशा व दिशा जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य व्यवस्थापक महेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुभाष चंद शर्मा मौजूद रहेंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता समाजसेवी रामप्यारे विश्वकर्मा करेंगे। वक्ता के तौर पर विश्वकर्मा महापुराण कथावाचक जयंतीभाई शास्त्री, पी. जी. कालेज बलिया हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो.अमलदार नीहार विचार रखेंगे। समारोह में सांसद रामचंद्र जांगड़ा, यूपी के पूर्व शिक्षा मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा, विधायक हंसराज विश्वकर्मा, पूर्व मंत्री कृष्णमुरारी विश्वकर्मा, ज्वाइंट कमिश्नर मनोज कुमार विश्वकर्मा, लोक जन सोशलिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा उपस्थित रहेंगे।

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

कारपेंटर्स न्यूज

संपर्क करें : Mo. **9320566633 / 7588951633** | Email: carpentersnews@gmail.com
हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | Telegram: https://t.me/carpenters_news

विश्वकर्मा नमस्तेस्तु,
विश्वात्मा विश्व संभवः
जिनके कारण विश्व में सब कुछ संभव होता है, उन विश्वकर्मा को नमस्कार है। श्री विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।
– संपादक

मुंबई | फरवरी 2024 | वर्ष : 19 | अंक : 03 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

50 YEARS OF TRUST
Link
कारपेंटर भाइयों की
पहली पसंद "लिंक"
उत्तम दरवाज़ों के लिए **उत्तम फिटिंग**
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
टोल फ्री नंबर: 1800-547-4559 | ईमेल: support@linklocks.com
www.linklocks.com
amazon blinkit Jio Mart meesho

साक्षात धर्म की प्रतिमूर्ति हैं मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम : चैतन्यपुरी

धामपुर। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्यपुरी महाराज ने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम साक्षात धर्म की प्रतिमूर्ति है। उनका जीवन चरित्र प्रत्येक नागरिक के लिए अनुकरणीय है। श्री हरि कृपा सेवा समिति की ओर से आयोजित तीन दिवसीय विराट धर्म सम्मेलन में स्वामी हरि चैतन्यपुरी महाराज ने श्रीराम का जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित विषय पर प्रवचन दिया।

उन्होंने राष्ट्र भक्ति का संदेश देते हुए कहा कि उन्हें भी अवधपुरी के श्रीराम मंदिर में श्रीराम लला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जिसके बाद अब वह धर्म नगरी धामपुर में आये हैं। श्रीराम के प्राकट्य स्थल पर हुए दिव्य, अलौकिक नयनाभिराम दृश्य की अनुभूति अभी तक मेरे रोम रोम में समाई हुई है। महाराज जी ने कहा कि श्रीराम ने मयार्दा में रहकर अपने जीवन का निर्वाह किया। समाज का संगठित करके वंचित, शोषित, पीड़ितों को गले लगाया। उन्होंने कहा कि भारत पुनः विश्व की एक महान शक्ति बनकर उभरेगा। इसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक को निष्ठा, ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्य का देश हित में पालन करना होगा। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व विधायक डॉ. इंद्रदेव सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव सिसोदिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र गोयल, डा.एनी सिंह, डा. शिखा सिंह, डा. दीपू आदि ने स्वामी हरि चैतन्यपुरी महाराज को माल्यार्पण कर स्वागत किया।

ओरछा का राम मंदिर

जहां भगवान श्रीराम को राजा के रूप में पूजा जाता है

ओरछा का राजा राम मंदिर विश्वभर में काफी प्रसिद्ध है। जिसकी कहानी भी काफी रोचक है। कहा जाता है कि इस जगह पर भगवान राम महारानी की जिद के आगे झुक कर पहुंचे थे। यह अनूठा मंदिर एकमात्र ऐसे स्थान के रूप में एक विशिष्ट स्थान रखता है, जहां भगवान श्रीराम को न केवल एक भगवान के रूप में बल्कि एक राजा के रूप में भी पूजा जाता है। ओरछा के इस मंदिर को लेकर कई कहानियां प्रचलित है। इनमें से एक कहानी ये है कि एक बार यहां के राजा मधुकर शाह ने अपनी पत्नी गणेश कुंवरी से वृंदावन चलने के लिए कहा था। लेकिन रानी हर वक्त भगवान राम की भक्ति करती रहती थी। इसलिए उन्होंने महाराज के साथ जाने से इनकार कर दिया। वहीं महारानी के इनकार पर राजा ने उन्हें गुस्से में कहा कि अगर तुम इतनी ही बड़ी रामभक्त हो तो अपने राम को ओरछा में लाकर दिखाओ। राजा की बात सुनकर रानी ने अयोध्या के सरयू तट पर साधना शुरू की। जहां उन्हें संत तुलसीदास का आशीर्वाद भी मिला।

वहीं जब रानी की कई महीनों की तपस्या के बाद जब राम जी ने उन्हें दर्शन नहीं दिए तो वो हताश होकर नदी में कूद गईं। नदी में छलांग लगाने के बाद उनकी गोद में भगवान श्री राम प्रकट हो गए। महारानी ने उनसे ओरछा चलने की प्रार्थना की। श्री राम इसके लिए तैयार हो गए, लेकिन उन्होंने शर्त रखी कि वो पुष्य नक्षत्र के दिन ही चलेंगे और जहां उन्हें विराजमान कर दिया जाएगा, वहां से दोबारा उठेंगे नहीं। महारानी ने उनकी दोनों शर्तें मान लीं। ओरछा के रामराजा मंदिर में जड़े शिलालेख के अनुसार महारानी भगवान राम को विक्रम संवत 1631 (सन् 1574) में चैत्र शुक्ल की नवमी को ओरछा लेकर आईं। ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार महारानी भगवान राम को अयोध्या से लेकर ओरछा तक पुष्य नक्षत्र में कुल 8 माह 28 दिनों तक पैदल चलीं। इसके बाद उनकी योजना भगवान राम को चतुर्भुज मंदिर में स्थापित करने की थी लेकिन उन्होंने भगवान राम के विग्रह को उस स्थान पर रख दिया, जहां आज रामराजा मंदिर का निर्माण किया गया है। भगवान राम अपनी शर्त के अनुसार वहीं स्थापित हो गए, जिसके कारण उसी स्थान पर मंदिर का निर्माण किया गया। ओरछा में श्री राम को भगवान और राजा दोनों रूप में पूजे जाते हैं। कहा जाता है कि ओरछा में कोई भी वीआईपी नहीं है। अगर कोई वीआईपी है तो वह राजा रामचन्द्र हैं। मध्य प्रदेश पुलिस के जवानों के द्वारा सूर्यास्त और सूर्योदय के समय राजा रामचन्द्र को बंदूकों की सलामी अर्थात गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। ओरछा में यह गार्ड ऑफ ऑनर बाकी किसी को भी नहीं दिया जाता। ऐसा माना जाता है कि त्रेतायुग में राजा दशरथ अपने पुत्र श्री राम का राज्याभिषेक नहीं कर सके, ऐसे में राजा मधुकर शाह ने अपना कर्त्तव्य निभाया और राजा रामचन्द्र का राज्याभिषेक किया और अपना राज्य राजा रामचन्द्र को सौंप दिया।

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर शुभ प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर ओरछा में भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। ओरछा की सांस्कृतिक विरासत की दीघार्यु सुनिश्चित करने में आयुक्त उर्मिला शुक्ला के नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिससे यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक प्रकाश स्तंभ बन गया है। उर्मिला शुक्ला के समर्पित नेतृत्व में पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय, मध्यप्रदेश सरकार ओरछा की समृद्ध सांस्कृतिक और विरासत संपत्ति के संरक्षण और सुरक्षा के लिए अपने प्रयासों में दृढ़ है। निदेशालय की प्रतिबद्धता चतुर्भुज मंदिर, जहांगीर महालक्ष्मी मंदिर और कई अन्य ऐतिहासिक चमत्कारों जैसे प्रतिष्ठित स्मारकों की सुरक्षा तक फैली हुई है। पुरातत्व निदेशालय ने राज्य के स्मारकों और कलाकृतियों के संरक्षण में अपने अथक कार्य के लिए सराहनीय मान्यता प्राप्त की है।

काशी के चित्रकार ने बनाई रामलला की ड्राइंग

वाराणसी। राम मंदिर में नयनाभिराम रामलला की प्रतिमा को काशी के चित्रकार डॉ. सुनील विश्वकर्मा ने आकार दिया था। कागज पर उकेरी गई उनकी ड्राइंग को योगीराज ने गढ़कर मूर्त रूप दिया। 22 जनवरी को अयोध्या में जब रामलला की प्रतिमा स्थापित हुई तो उनकी खुशी सातवें आसमान पर थी।

डॉ. सुनील का कहना है कि ये प्रभु श्रीराम की ही कृपा है जो उनकी बनाई गई ड्राइंग को राम मंदिर में जगह मिली। काशी विद्यापीठ ललित कला विभाग के शिक्षक डॉ. सुनील विश्वकर्मा ने बताया कि रामलला की मुख्य प्रतिमा बनाने के लिए फरवरी 2023 के दूसरे सप्ताह में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से देशभर के कलाकारों से प्रभु श्रीराम की प्रतिमा के लिए डिजाइन मांगी गई थी। डॉ. विश्वकर्मा ने प्रभु रामचंद्र जी के बाल स्वरूप का चित्रांकन किया। डॉ. सुनील विश्वकर्मा का दावा है कि कागज पर उन्होंने रामलला की जो ड्राइंग बनाई, न्यास ने उसे ही प्रतिमा के लिए चुना और कर्नाटक के मूर्ति कलाकार अरुण योगिराज ने उसी आकृति को आधार बनाकर प्रतिमा गढ़ी।

हस्तशिल्पियों को मिला पुरस्कार

वाराणसी। यूपी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के चार हस्तशिल्पियों को राज्य व दक्षता हस्तशिल्प पुरस्कार से सम्मानित किया है। सॉफ्ट स्टोन जाली के युवा शिल्पकार आदर्श कुमार मौर्या, काष्ठ कला के शिल्पी गोविंद शर्मा, इंदु को कार्पेट पर शिकारगाह बनाने के लिए और अमृता सिंह को लकड़ी के खिलौने व शिव जी की विशाल मूर्ति बनाने के लिए यह सम्मान दिया गया। जीआई विशेषज्ञ डॉ. रजनीकांत ने बताया कि यूपी के कुल 40 हस्तशिल्पियों को सम्मान मिला है। इनमें 20 को राज्य हस्तशिल्प और 20 हस्तशिल्पियों को दक्षता हस्तशिल्प पुरस्कार से नवाजा गया।

गोबर से पेंट बनाने वाला प्लांट शुरू

वाराणसी। सेवापुरी के खादी ग्रामोद्योग विद्यालय प्रांगण में गोबर से प्राकृतिक पेंट वाले प्लांट की शुरूआत हो गई है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग,सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष मनोज कुमार ने इस प्लांट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ग्रामीण कारीगरों को 508 मशीनरी और टूलकिट दिए गए।

लकड़ी के समान भविष्य का उत्पाद बना सकता है बांस

फरीदाबाद। भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का आयोजन फरीदाबाद, हरियाणा में किया गया। इस विज्ञान उत्सव में सीएसआईआर-एएमपीआरआई, भोपाल के निदेशक डॉ. अवनीश कुमार श्रीवास्तव और मेसर्स असिली बैम्बू प्रोडक्ट्स, मेरठ के निदेशक अक्षय जोशी की उपस्थिति में बांस कंपोजिट पर तकनीकी जानकारी को मेसर्स असिली बैम्बू प्रोडक्ट्स को हस्तांतरित किया गया। इस अवसर पर सीएसआईआर-एनआईआईएसटी तिरुवनंतपुरम के निदेशक डॉ. सी. आनंद रामकृष्णन, नई दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर मनोरंजन परिदा, पूर्व निदेशक डॉ. बी. चंद्रशेखरन, यूआईटी आरजीपीवी भोपाल के निदेशक प्रोफेसर सुधीर सिंह भदौरिया, सीएसआईआर-मुख्यालय से आरसी सदस्य मयंक माथुर, मुख्य वैज्ञानिक डॉ. जे.पी. शुक्ला, सीओए सोमनाथ मजूमदार, सीएसआईआर-एएमपीआरआई के प्रमुख पीपीडी डॉ. जे.पी. चौरसिया, प्रमुख व्यवसाय विकास डॉ. संदीप सिंघई, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सारिका वर्मा, वैज्ञानिक डॉ. नीता वी.एम, सीएसआईआर-एएमपीआरआई भोपाल के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सतानंद मिश्रा सहित कई अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

औद्योगिक उत्पाद, बांस कंपोजिट, प्राकृतिक और बहुमुखी संसाधन बांस द्वारा पर्यावरण अनुकूल तकनीक का उपयोग करके विकसित किया गया है। बांस को घास के रूप में घोषित किया गया है और यह तेजी से बढ़ता है और इसके बढ़ने, खेती, प्रसार और काटने के लिए कोई सख्त नियम और कानून नहीं हैं। 3-4 वर्षों के भीतर बांस परिपक्व हो जाता है, जिसका उपयोग सागौन की लकड़ी के विपरीत बांस के मिश्रण में विकसित करने के लिए किया जा सकता है, जिसे विकसित होने में 30-40 साल लगते हैं। बांस कार्बन डाइऑक्साइड का एक उत्कृष्ट अवशोषक भी है और बड़ी मात्रा में (लगभग 35%) ऑक्सीजन छोड़ता है जो ग्लोबल वार्मिंग को ठीक करने में मदद करता है। बांस मिश्रित उत्पाद बेहतर स्थायित्व और आयामी स्थिरता, उच्च शक्ति, घनत्व, यांत्रिक शक्ति, आग प्रतिरोध, नमी प्रतिरोध और प्राकृतिक और सौंदर्य उपस्थिति के साथ सागौन की लकड़ी जैसा दिखता है। सीएसआईआर-एएमपीआरआई द्वारा विकसित बांस कंपोजिट निर्माण की तकनीक में बांस के खंभों को वांछित आकार में काटना, पट्टियों में विभाजित करना, गांठों को हटाना, माइक्रोबियल/प्राकृतिक क्षरण के खिलाफ सुरक्षा के लिए रासायनिक उपचार, बिना नुकसान पहुंचाए इसे रेशेदार रूप में परिवर्तित करना जैसे अनुक्रमिक चरण हैं। बांस के रेशों की प्राकृतिक ताकत, पर्याप्त प्री-पॉलिमर की कोटिंग, जिसके बाद वांछित आकार का एक मिश्रित नमूना प्राप्त करने के लिए उचित गर्मी और दबाव के तहत संघनन किया जाता है। अंतिम आकार एक ढली हुई वस्तु, सादा शीट, मोटे बोर्ड, बीम आदि हो सकता है। फाइनल तैयार उत्पाद के लिए इन आकृतियों को आगे मशीनीकृत किया जा सकता है।

औद्योगिक स्तर पर सफल परीक्षणों के बाद पैनल बोर्ड, बीम, खंभे, पॉर्टिनशन, दरवाजे, खिड़की के फ्रेम, छत, फर्श आदि विकसित किए गए और एक प्रदर्शन संरचना (एएमपीआरआई की बांस समग्र समिति कक्ष "बैठक") बनाई गई। अपनी अनूठी विशेषताओं के कारण विकसित बांस मिश्रित का उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों, विशेषकर एयरोस्पेस में भी किया जा सकता है। इसलिए बांस दस गुना तेज फसल चक्र के साथ लकड़ी के समान भविष्य के उत्पाद बना सकता है और बांस की खेती और खेती में वृद्धि के साथ, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन होगा। प्रौद्योगिकी में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, स्टार्ट-अप आदि को आकर्षित करने और प्रोत्साहित करने की क्षमता है।

अपनी विरासत और संस्कृति को महत्व देने की जरूरत - शिल्पा शेट्टी

मुंबई। फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि हम अपनी विरासत और संस्कृति को पूरा महत्व दें। योग संस्थान मुंबई की निदेशक डॉ. हंसाजी जे. योगेंद्र की नई पुस्तक द सात्विक किचन के विमोचन अवसर पर शिल्पा ने कहा कि मेरा मजबूती से यकीन है कि हम वही हैं जो हम खाते हैं और वह भोजन आपकी दवा हो सकता है। इसलिए आयुर्वेद और योग को अच्छे स्वास्थ्य के लिए विज्ञान का ही एक रूप माना जाता है।

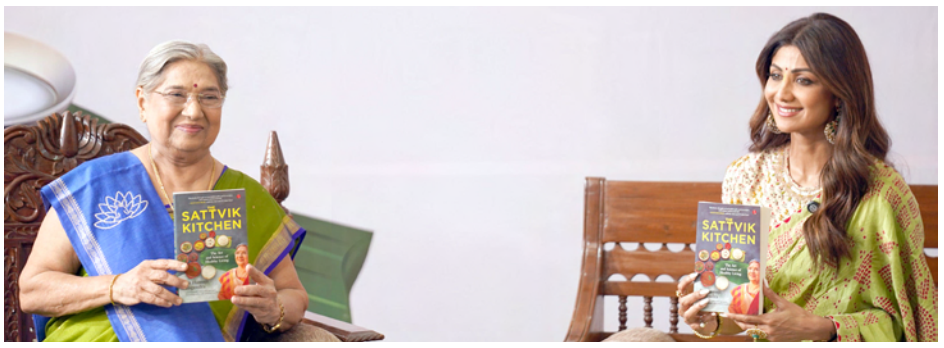

द सात्विक किचन जैसी किताबें हमारी भोजन संबंधी संस्कृति की समृद्ध विरासत को उजागर करती हैं और भारतीय होने के बारे में गर्व की भावना जगाती हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. हंसाजी योगेन्द्र हमेशा से हमारे परिवार में प्रेरणा, मार्गदर्शन और आध्यात्मिक गुरुत्व का स्रोत हैं और इसलिए डॉ. हंसाजी योगेन्द्र की नवीनतम पुस्तक द सात्विक किचन को लॉन्च करने का यह अवसर मेरे लिए वाकई बेहद खास है। यह पुस्तक पारंपरिक भारतीय भोजन और पोषण संबंधी ज्ञान, आयुर्वेद के सिद्धांतों और सात्विक जीवन की अवधारणाओं के बारे में डॉ. हंसाजी के विशद ज्ञान से प्रेरित है। सात्विक किचन में भोजन संबंधी आसान नुस्खे शामिल किए गए हैं। इसमें शरीर के इम्यून सिस्टम को बढ़ाने वाले प्राकृतिक उपचार, नॉन-डेयरी दूध फॉर्मूलेशन, दुर्लभ हाइड्रेटिंग आयुर्वेदिक पेय, पारंपरिक, भारतीय शाकाहारी व्यंजनों में नवाचार और आसानी से बनने वाले पोषक तत्वों से भरपूर सलाद और पौष्टिक सूप बनाने की आसान विधियां भी दी गई है।

योग संस्थान की निदेशक डॉ. हंसाजी जे. योगेंद्र ने शिल्पा शेट्टी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि योग संस्थान ने 105 साल का सफर तय कर लिया है और इस दौरान संस्थान ने समय के बदलते दौर को देखा है। पिछले कुछ वर्षों में बहुत कुछ बदल गया है, विशेषकर भोजन के साथ हमारा संबंध। भारत में भोजन हमेशा पवित्र रहा है, भक्ति की भावना के साथ दिव्यता को परोसा जाता है और हमारे घरों में बहुत प्यार से तैयार किया जाता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भोजन प्यार और पोषण के बजाय कैलोरी का सवाल बन गया है। उन्होंने कहा कि समस्याएं तब पैदा होती हैं जब हमारा भोजन ताजा, स्थानीय उपज के साथ घर पर पकाया जाने के बजाय हम पैकेज्ड फूड पर निर्भरहोने लगते हैं। जब हम जल्दी-जल्दी खाना खाते हैं, तो हम अपने शरीर की देखभाल और पोषण करने के पवित्र कार्य का अनादर करते हैं। पुस्तक द सात्विक किचन का उद्देश्य भोजन और खान-पान की भारतीय परंपराओं के साथ फिर से जुड़ने में हमारी मदद करना है। सात्विक रसोई में व्यंजन बनाना आसान और सरल है और इसका उद्देश्य हमारे दिमाग को बेहतर ढंग से काम करने में मदद करना है। इस तरह की किताबें आधुनिक भोजन और पोषण सिद्धांत की सर्वोत्तम अवधारणाओं पर भी प्रकाश डालती हैं। डॉ. हंसाजी योगेन्द्र ने सभी से 'अन्नम ब्रह्मम' की भारतीय अवधारणा को अपनाने और योग, यौगिक जीवन और सात्विक रसोई में प्रस्तुत विचारों की मदद से भोजन और पोषण की पवित्रता के प्रति सचेत रहने का आग्रह किया।

जायका इंडिया का

बाजरा खिचड़ी

खिचड़ी को स्वाद और सेहत से भरपूर माना जाता है। खिचड़ी भारतीय खाने का अहम हिस्सा है। देश भर में खिचड़ी की कई वैरायटी मिल जाएंगी। बाजरा एक ऐसा अनाज है जो सेहत के लिए बेहद गुणकारी माना जाता है। बाजरे में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें सोडियम, प्रोटीन, फाइबर, काबोर्हाइड्रेट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। बाजरे का सेवन करने से डायबिटीज की समस्या को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र के लिए अच्छा माना जाता है। प्रतिदिन बाजरे का सेवन करने से एनीमिया की समस्या को दूर करने में मदद मिल सकती है। खिचड़ी की हेल्दी वर्जन बाजरा खिचड़ी को घर पर आसानी से बनाया जा सकता है।

सामग्री- बाजरा, मूंग दाल, घी, हींग, जीरा, हरी मिर्च,प्याज, टमाटर, नमक, धनिया पत्ती

विधि - बाजरे की खिचड़ी बनाने के लिए सबसे पहले बाजरे को धोकर अच्छी तरह से भून लेना चाहिए फिर इसे कुछ घंटे के लिए भिगोकर रख दें। इसके साथ मूंग की दाल को भी भिगोकर रख सकते हैं। इसके बाद एक प्रेशर कुकर में घी/तेल डालें और इसमें हींग, जीरा डालें। जीरा के तड़कने के बाद प्याज डालकर अच्छे से भून लें। फिर टमाटर और हरी मिर्च, नमक डालकर टमाटर के गलने तक पकाएं। अब इसमें बाजरा और मूंग की दाल को डालकर हल्का भून लें। आवश्यकता अनुसार पानी डालें ढक्कन को ढक दें। 2-3 सीटी आने तक पकाएं कुकर की गैस निकलने के बाद धनिया पत्ती से गार्निश कर सर्व करें।

Mahacol
SINCE 1971

NIKHIL
ADHESIVES LTD.

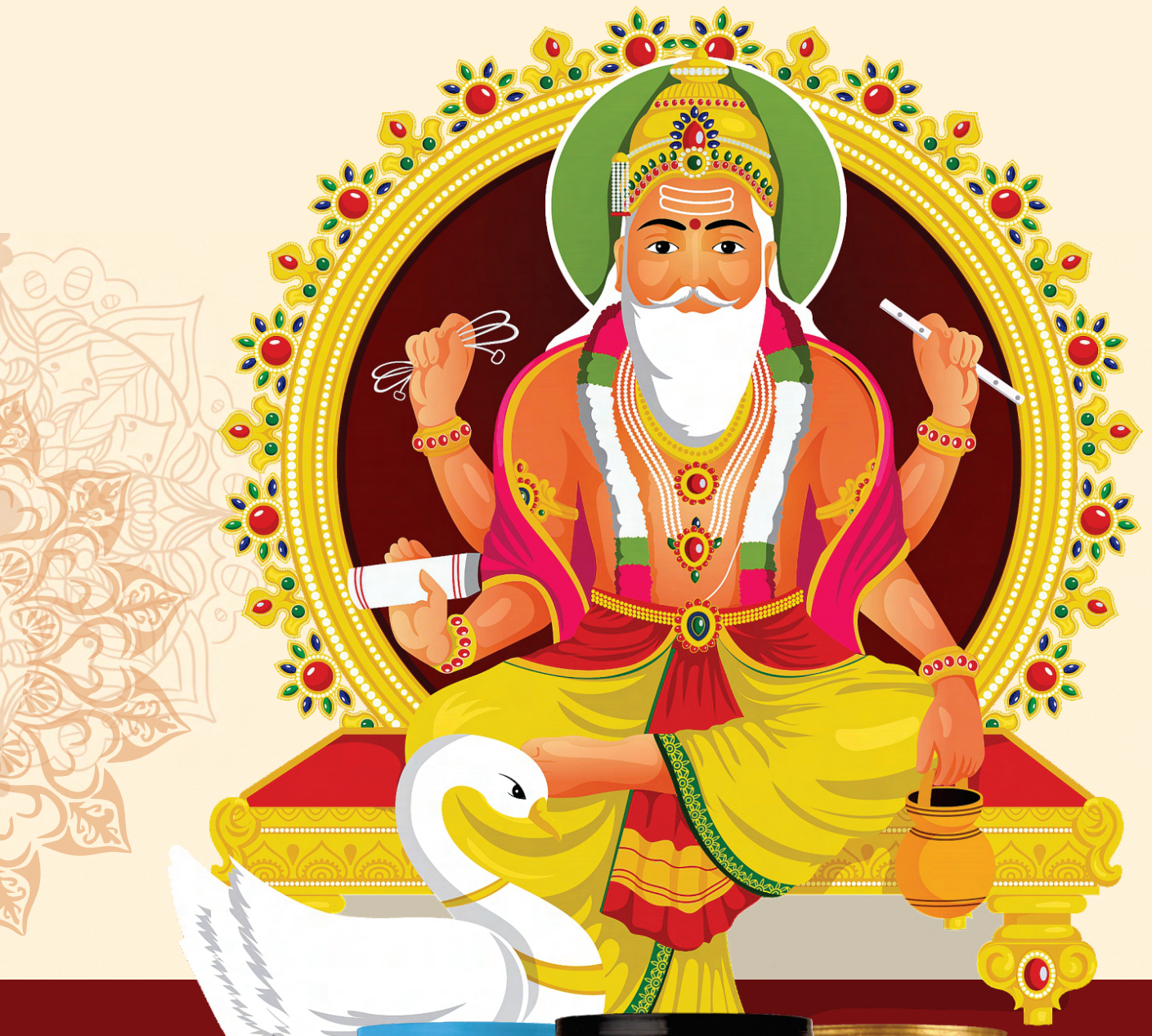

श्री विश्वकर्मा जयंती महोत्सव

महाकोल परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं!

PREMIUM KITCHEN & FURNITURE FITTINGS

FROM THE HOUSE OF TRUSTED BRAND ABRO USA

DRAWER CHANNELS

HINGES

HYDRAULIC LIFT-UP

and many more...

AIPL ZORRO PVT. LTD.
302, 3rd Floor, D-Mall, Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi-110034
In case of consumer complaint contact Customer Care Executive
AIPL ZORRO PVT. LTD.: Address as above
Contact No.: 011-49010144, Whatsapp No.: +917827937302, E-mail : info@aiplabro.com

TOLL-FREE NO
1800 27 40409
www.aiplabro.com

HARRISON
हरीसन
परिवार की ओर से
आप सभी को
वसंत पंचमी
की हार्दिक
शुभकामनाएं
Mr. आनंद
जीतो आकर्षक
उपहार
नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।
टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
9355-015-108
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com

हरीसन

www.harrisonlocks.com

कारपेंटर महासम्मेलन एवम् प्रशिक्षण सभा

हरीसन आगे बढ़कर लगातार महासम्मेलनों का आयोजन कर रहा है, जो कारपेंटर्स और उनके समूहों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन महासम्मेलनों में स्थानीय कारपेंटर्स को एक साथ आने और अपने अनुभवों, विचारों, और कौशलों को साझा करने का मौका मिलता है।

ये महासम्मेलन सामूहिक समर्थन, साझेदारी, और कौशल को बढ़ावा देने का एक माध्यम प्रदान करते हैं। विभिन्न विषयों पर आयोजित किए जाने वाले कार्यशालाओं और व्याख्यानों के माध्यम से, कारपेंटर्स नई तकनीकों और उत्पादों के साथ अवगत होते हैं, जिससे उन्हें उनके काम में सुधार करने का अवसर मिलता है।

Mr. आनंद लक्की विनर्स
सुविधा स्कीम के तहत

चेयरमैन क्लब कारपेंटर

हरीसन प्रोडक्ट पॉइंट अर्जित करने का तरीका किया और भी आसान

मात्र क्यु आर कॉड को स्कैन करने पर पाऐ उपहार

हरीसन, भारत के एक विश्वसनीय ब्रांड, ने अपनी सेफ्टी डिवीजन के तहत कारपेंटर्स के लिए नई क्यू आर **स्कैनिंग फीचर** लाँच की है। इस नए फीचर के माध्यम से, कारपेंटर्स बस क्यू आर स्कैन करके आसानी से उपहार जीत सकते हैं, बिना किसी कठिनाई के। हरीसन ने इस सुविधा के माध्यम से कारपेंटर्स को समय और उपयोगकर्ता सहायकता में वृद्धि करने का वादा किया है, जो उनके काम को और भी सुरक्षित और सहज बनाए रखेगा।

इस नए फीचर को लाभार्थी बनने के लिए, **कारपेंटर्स को सिर्फ हरीसन के प्रोडक्ट के पैकिंग के ऊपर लगे क्यू आर को अपने स्मार्टफोन से स्कैन करना होगा।** इसके बाद, स्कैन करने के तत्वावधि, पंजीकृत कारपेंटर्स के प्रोफाइल आईडी पर अंक दर्ज हो जाएगा। यह बिल्कुल आसान और सुरक्षित प्रक्रिया है, जो कारपेंटर्स को उनके दैहिक और आरामपूर्वक उपहारों तक पहुंचने में सहायक होगी।

हरीसन ने इस नई सुविधा को कारपेंटर्स की सहूलियत के लिए शुरू की है, **जिससे उन्हें किसी भी प्रोडक्ट के पैकेजिंग की कट्टिंग रखने की आवश्यकता नहीं होगी।** यह न केवल समय की बचत करेगा, बल्कि उन्हें अपने कार्य में भी अधिक ध्यान केंद्रित रहने का अवसर मिलेगा।

कारपेंटर्स को इस फीचर का उपयोग करने के लिए सिर्फ क्यू आर स्कैन करने की आवश्यकता होगी, जिसे वे आसानी से कर सकते हैं। फीचर का उपयोग करने का यह तरीका उपभोक्ताओं के लिए सुविधाजनक है और इसमें कोई भी कठिनाई नहीं है।

इस नई पहल के साथ, **हरीसन ने कारपेंटर्स को नई और बेहतर सुविधा देने का प्रयास किया है,** जिससे वे अब अपने काम में और भी महारत हासिल कर सकते हैं। यह एक उदाहरण है कि कैसे तकनीक का उपयोग करके ब्रांडेड कंपनियाँ अपने उपभोक्ताओं को नई और आधुनिक सुविधाएं प्रदान कर रही हैं।

हरीसन की इस पहल के द्वारा, कारपेंटर्स अब अनेकों उपहारों को मात्र क्यू आर स्कैन करके जीत सकते हैं, जो एक सामान्य समझदार और सुविधाजनक प्रक्रिया के माध्यम से हो रहा है। इससे उन्हें ब्रांड के साथ जुड़ाव और सुस्त संबंध बनाए रखने में मदद मिलेगी और हरीसन को अपने उपभोक्ताओं के साथ स्थायी संबंध स्थापित करने में सहायक होगा।

इस नई तकनीकी विकास से हरीसन ने अपने उपभोक्ताओं के लिए एक नई दिशा में कदम बढ़ाया है और इससे स्पष्ट है कि उनका मुख्य उद्देश्य है उपभोक्ताओं को सुविधाएं प्रदान करना और उन्हें सहूलियत महसूस करना।

स्कैनिंग फीचर

ADVT

कारपेंटर भाइयों के लिए
स्पेशल ऑफर

MAHARASHTRA

EURO 7000 SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

सिर्फ 70 पॉइंट पर पाइये
AMERICAN TOURISTER TWO WHEEL
DUFFLE BAG WORTH Rs. 3,800/-

ड्रम पैक साइज
800 Gm X 70 Pouches

CUTTER MACHINE

अथवा

DRILL MACHINE

अथवा

TOKEN/POUCH

15 Rs/-
टोकन / पाउच

+

AMERICAN TOURISTER TWO WHEEL DUFFLE BAG

Size	Product Dimensions (L X H X W) in cm	MRP
Cabin (54 cm)	54.5 x 35.5 x 35	₹ 3,800/-

Extreme3 Hi- Strong के एक ड्रम पर पाइये 140 पॉइंट & Get 2 DUFFLE BAGS
AMERICAN TOURISTER TWO WHEEL
DUFFLE BAG WORTH Rs. 3,800/-

ड्रम पैक साइज
800 Gm X 70 Pouches

CUTTER MACHINE

अथवा

DRILL MACHINE

अथवा

TOKEN/POUCH

25 Rs/-
टोकन / पाउच

+

AMERICAN TOURISTER TWO WHEEL DUFFLE BAG

Size	Product Dimensions (L X H X W) in cm	MRP
Cabin (54 cm)	54.5 x 35.5 x 35	₹ 3,800/-

» ये ऑफर पाने के लिए "Euro7000 Digital" ऐप डाउनलोड करें और पॉइंट्स स्कैन करें।

Zubaan Ke पक्के ReWards

SCAN KIJIYE

GET IT ON Google Play | Available on the App Store

JYOTI RESINS & ADHESIVES LIMITED www.euro7000.com

श्री विश्वकर्मा महापुराण कथा का आयोजन

सूर्य के तेज से हुआ है पृथ्वी, आकाश और पाताल का निर्माण - जयंतीभाई शास्त्री

मुंबई। डोंबिवली (पूर्व) साहगांव स्थित सांगवेश्वर महादेव मंदिर परिसर में चल रहे श्री विश्वकर्मा महापुराण की कथा में भगवान सूर्य देव की कथा एवं संज्ञा देवी विवाह का मार्मिक वर्णन करते हुए कथाकार जयंतीभाई शास्त्री महाराज, सुरेंद्र नगर गुजरात ने कहा कि भगवान सूर्यदेव का विवाह विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा से हुआ। विवाह के बाद संज्ञा ने वैवस्वत और यम नामक दो पुत्र और यमुना नाम की पुत्री को जन्म दिया। संज्ञा बड़े कोमल स्वभाव की थी, जबकि सूर्य देव प्रचंड तेजवान थे।

संज्ञा सूर्य देव के तेज को बड़े कष्ट से सहन कर पाती थी। उसके लिए वह तेज असहनीय था। तब उनके तेज से बचने के लिए वह अपनी छाया को उनकी सेवा में छोड़कर स्वयं पिता विश्वकर्मा के पास चली गई। वहां रहते हुए अनेक दिन हो गए, तब विश्वकर्मा ने उसे पति के घर लौटने को कहा। वह सूर्य देव के तेज से भयभीत थी और उनका सामना नहीं करना चाहती थी। इसलिए उत्तरकुरु नामक स्थान पर तपस्या करने लगी। इधर सूर्य देव और संज्ञा की संतानें छाया को ही संज्ञा समझते थे। एक दिन छाया ने किसी बात से क्रोधित होकर यम को शाप दे दिया। शाप से भयभीत होकर यम पिता सूर्य की शरण में गए और उन्हें माता द्वारा शाप देने की बात बताई। माता ने अपने पुत्र को शाप दे दिया, यह सुनकर सूर्य को छाया पर संदेह हो गया। उन्होंने छाया को बुलवाया और उससे संज्ञा के विषय में पूछने लगे। छाया के चुप रहने पर वे उसे शाप देने को तैयार हो गए। तब भयभीत छाया ने सब कुछ सच-सच बता दिया। सूर्यदेव ने उसी क्षण समाधि लगाकर देखा कि संज्ञा उत्तर कुरु नामक स्थान पर उनके तेज को सौम्य और शुभ करने के उद्देश्य से कठोर तपस्या कर रही है। तब सूर्यदेव ने अपने ससुर विश्वकर्मा के पास जाकर उनसे अपना तेज कम करने की प्रार्थना की। विश्वकर्मा ने उनके तेज को कम कर दिया। सूर्य के ऋग्वेदमय तेज से पृथ्वी, सामवेदमय तेज से स्वर्ग और यजुर्वेदमय तेज से पाताल की रचना हुई। सूर्यदेव के तेज के सोलह भाग थे। विश्वकर्मा ने इनमें से पन्द्रह भाग कम कर दिए और उनसे भगवान शिव का त्रिशूल, विष्णु का चक्र, वसु आक नामक भयंकर शंकु, अग्निदेव की शक्ति, कुबेर की पालकी तथा अन्य देवगण के लिए अस्त्र-शस्त्रों की रचना की। तभी से सूर्यदेव अपने तेज के सोलहवें भाग से ही चमकते हैं।

ॐ शिव कांवरिया ट्रस्ट की ओर से आयोजित श्री विश्वकर्मा महापुराण कथा का आयोजन 15

फरवरी से 21 फरवरी तक किया गया है। प्रतिदिन सायं 6 बजे से रात 9.30 बजे तक आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। श्री विश्वकर्मा महापुराण कथा के भव्य आयोजन में इंद्रजीत शर्मा, रामलौटन विश्वकर्मा, श्यामसुन्दर विश्वकर्मा, बालकृष्ण पांचाल, विनोद विश्वकर्मा, दामोदर विश्वकर्मा, रामकेवल विश्वकर्मा, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, गणेश विश्वकर्मा, प्रदीप विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, जगराम शर्मा, घनश्याम विश्वकर्मा, रामवृक्ष विश्वकर्मा, दिलीप शर्मा, नंदलाल विश्वकर्मा, ईश्वर चंद्र विश्वकर्मा, रमेश शर्मा, वीरेंद्र गुप्ता, धीरेन्द्र मेहता आदि का अथक प्रयास है।

भगवान विश्वकर्मा निर्मित है अयोध्या

भगवान राम की नगरी अयोध्या हजारों महापुरुषों की जन्मस्थली रही है। यह पवित्र भूमि हिंदुओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भगवान श्रीराम का जन्म यहीं हुआ था।

भारत के प्राचीन शहरों में से एक अयोध्या का हिंदू पौराणिक इतिहास में पवित्र सप्तपुरियों में एक स्थान है। अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, काशी, कांची, अवंतिका (उज्जैन) और द्वारका को सप्तपुरी कहा जाता है। अथर्ववेद में अयोध्या को भगवान की नगरी कहा गया है और इसके ऐश्वर्य की तुलना स्वर्ग से की गयी है जिसका निर्माण विश्वकर्मा ने किया था। सरयू नदी के तट पर स्थित इस नगर की स्थापना रामायण के अनुसार विवस्वान (सूर्य) के पुत्र वैवस्वत मनु महाराज ने की थी। वैवस्वत मनु 6673 ईसा पूर्व में हुए थे। ब्रह्माजी के पुत्र मरीचि से कश्यप का जन्म हुआ। कश्यप से विवस्वान और उनके पुत्र वैवस्वत मनु हुए। उनके 10 पुत्र इला, इक्ष्वाकु, कुशनाम, अरिष्ट, घृष्ट, नरिष्यंत, करुष, महाबली, शर्याति और पृषध थे। इनमें इक्ष्वाकु कुल का सर्वाधिक विस्तार हुआ। अनेक महान राजा, ऋषि, अरिहंत और स्वामी हुए हैं। भगवान श्री राम का जन्म इसी कुल में हुआ था। महाभारत काल तक अयोध्या पर इसी राजवंश का शासन था। अयोध्या में कई महान योद्धाओं, ऋषियों और अवतारी पुरुषों का जन्म हुआ है। भगवान राम का जन्म भी यहीं हुआ था। जैन मान्यता के अनुसार आदिनाथ सहित 5 तीर्थंकरों का जन्म यहीं हुआ था। अयोध्या की गणना भारत की प्राचीन सप्तपुरियों में सर्वप्रथम की जाती है। जैन परंपरा के अनुसार 24 तीर्थंकरों में से 22 इक्ष्वाकु वंश के थे। इन 24 तीर्थंकरों में प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ (ऋषभदेव जी) सहित चार अन्य तीर्थंकरों की जन्मभूमि भी अयोध्या ही है। बौद्ध मान्यता के अनुसार भगवान बुद्ध 16 वर्षों तक अयोध्या या साकेत में रहे थे।

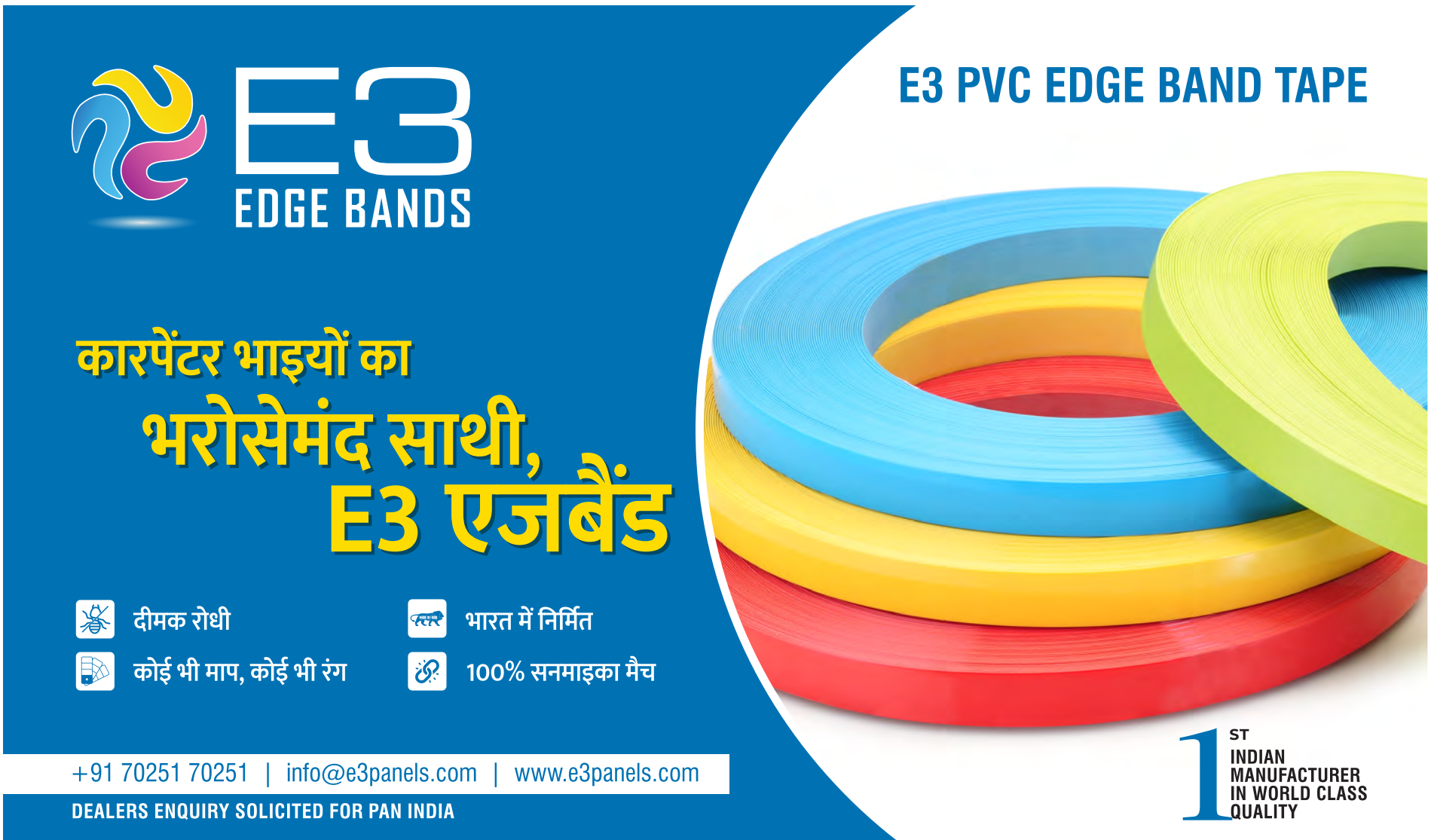

गोदरेज एंड बॉयस का अनूठा पहल

पर्यावरण को लेकर 80 एकड़ में लगाए 10 हजार से ज्यादा पेड़

मुंबई। पेड़ और पौधे, हवा, भोजन के साथ-साथ हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले अन्य दैनिक उत्पादों के आवश्यक स्रोत हैं। वन विभिन्न प्राणियों का निवास स्थान है। पेड़ पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम अपने चारों ओर के वातावरण को संरक्षित करें व उसे जीवन के अनुकूल बनाए रखें, क्योंकि पर्यावरण और प्राणी एक-दूसरे पर आश्रित हैं। पर्यावरण को लेकर जितना कार्य किया जाए उतना ही कम है।

गोदरेज एंड बॉयस की मुख्य पर्यावरण अधिकारी तेजश्री जोशी ने उक्त बातें कही। जोशी के मुताबिक गोदरेज एंड बॉयस ने विक्रोली में करीब 80 एकड़ में तकरीबन 10 हजार से ज्यादा पेड़ लगाये गये हैं। खास बात यह है कि इसी परिसर में कंपनी की औद्योगिक इकाई भी है जिसमें लाखों कर्मचारी कार्यरत हैं और उसी के बीच खाली पड़ी जगहों, सड़कों के किनारे के अलावा वहां के सभी प्लांट के आस पास सुनियोजित तरीके से वृक्षारोपण कर पर्यावरण के क्षेत्र में अनोखा कार्य किया जा रहा है। पेड़ों की सुरक्षा को लेकर कोई भी कसर नहीं छोड़ी जाती है। इस कार्य के लिये कंपनी ने विशेषज्ञ की टीम भी रखी है साथ ही बड़ी संख्या में कर्मचारी और मजदूर कार्यरत हैं। मैंग्रोव्स को लेकर गोदरेज एंड बॉयस ने 2019 में लेखक केटी बागली के साथ 'मैनी सीक्रेट्स ऑफ मैंग्रोव्स' पुस्तक लॉन्च की जिससे युवा पीढ़ी को शिक्षित किया जा सके और मनोरंजक तरीके से सीखने में भी सक्षम बनाया जा सके। इतना ही नहीं, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मैन्ग्रोव मोबाइल ऐप भी बनाया गया है जो 130 से भी ज्यादा देशों में डाऊनलोड किया गया है। पेड़ पौधों को सजीव रखने के लिए कंपनी द्वारा विभिन्न नई-नई तकनीकियों का इस्तेमाल किया जाता है। मुख्य पर्यावरण अधिकारी तेजश्री जोशी के मुताबिक 2013 में सर्वे कर नए प्लांटेशन के लिये पुराने पेड़ों की जांच और रिप्लेस करना, उनको गिरने से रोकने के लिये हेल्थ जांच और उनका जीवनकाल बढ़ाने के लिये टीम लगातार कार्य करती रहती है। कंपनी के अंदर ही एक बड़ी नर्सरी है जिसमें विभिन्न प्रजातियों के फूल और तमाम प्रजातियों के छोटे बड़े पौधे विकसित किये जाते हैं। खाड़ी क्षेत्र के किनारे हजारों एकड़ में मैंग्रोवस को सुरक्षित रखने के लिये कार्य किया जा रहा है। इसके लिये एक्जीबिशन भी लगाया जाता है जिसमें स्कूली बच्चों को भी शामिल किया जाता है और हर साल तकरीबन 10000 से ज्यादा लोग शामिल होते हैं।

- दयाशंकर पांडेय

पर्यावरण की दृष्टि में 1950 से हम कार्यरत है,पर्यावरण पर काम करने के लिये बड़ी टीम है। हमने 10 हजार से ज्यादा पेड़ लगाए हैं। हम इस दिशा में लोगों को भी काम करने के लिये प्रेरित करते हैं।

- तेजश्री जोशी
मुख्य पर्यावरण अधिकारी,
गोदरेज एंड बॉयस

कैनेडियन वुड की ओर से सेमिनार का आयोजन

दिल्ली। कैनेडियन वुड की ओर से लकड़ी, डिजाइन और वास्तुकला शीर्षक से ज्ञानवर्धक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आधुनिक डिजाइन और वास्तुशिल्प में लकड़ी के गतिशील अंतर संबंध का पता लगाने के लिए डिजाइन और वास्तुकला समुदाय के विशेषज्ञों, पेशेवरों और उत्साही लोगों को एक साथ लाकर इस कार्यक्रम ने अपार सफलता हासिल की। सेमिनार में आकार डिजाइन कंसल्टेंट्स के गुरप्रीत सिंह, कैनेडियन वुड के कंट्री डायरेक्टर प्रणेश छिब्बर, कैनेडियन वुड के सहायक निदेशक व्यवसाय विकास रितेश कुमार, कैनेडियन वुड के सहायक निदेशक व्यवसाय रामबीर सिंह यादव आदि ने विचार रखे।

राहुल गांधी से ओबीसी नेताओं की मुलाकात

अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल सांसद राहुल गांधी से उनके आवास, 10 जनपथ नई दिल्ली पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने जाति जनगणना का समर्थन करने के लिए राहुल गांधी को धन्यवाद दिया।

लोहार प्रीमियर लीग का आयोजन

मुंबई। विश्वकर्मीय लोहार सेवा संघ की ओर से लोहार प्रीमियर लीग 2024 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन चुनाभट्टी स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान में किया गया। प्रतियोगिता प्रमुख संजय कोलंबेकर ने बताया कि सामाजिक संस्था विश्वकर्मीय लोहार सेवा संघ की ओर से लोहार प्रीमियर लीग प्रतियोगिता का यह 10 वां वर्ष है।

10 फरवरी को आयोजित इस प्रतियोगिता में लोहार प्रीमियर लीग में महाराष्ट्र की 16 टीमों ने भाग लिया। लोहार प्रीमियर लीग चैंपियन श्री तेज क्रिकेट संघ निगडी कोंढ श्रीवर्धन व उपविजेते गोल्डन बॉईज नवी मुंबई नेरुल रहे। लोहार प्रीमियर लीग कार्यक्रम में बतौर अतिथि कुर्ला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक मिलिंद कांबले, कोकण विभागीय लोहार समाज संघ के कार्याध्यक्ष राजेश सोमवंशी, अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासंघ के कोकण प्रदेशाध्यक्ष बलीराम खरे, प्रभु विश्वकर्मा नाती मंडल मुंबई के प्रतिनिधी ज्ञानेश्वरी ठमके, अनंत उके, पत्रकार गंगाराम विश्वकर्मा, रामजी बिंद इस अवसर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष राजाराम कातालकर, सचिव प्रेम चरकरी, उपाध्यक्ष प्रवीण कातालकर, कोषाध्यक्ष सुहास चरकरी संस्था के पदाधिकारी निधि श्री, जयेश कातालकर, नितीन पानवलकर, महेंद्र पोमेंडकर, संस्था के पूर्व पदाधिकारी हरिश्चंद्र पोमेंडकर, राजेश मसुरकर, सुनील चरकरी, दीनानाथ कोलंबेकर, नितिन कुडतडकर, रामचंद्र भूते,चंद्रशेखर कातालकर, बालकृष्ण कातालकर आदि उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

लोहार समाज एकीकरण के लिए संस्थाएं हुई एकजुट

ठाणे। लोहार समाज के सर्वांगीण विकास के लिए समाज के सभी संगठनों को एक मंच पर आना होगा। राजनैतिक स्तर पर हमें अपनी मांगों को रखने के लिए सामाजिक एकजुटता जरुरी है। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा कोकण विभाग अध्यक्ष व बारा बलुतेदार आंदोलन के नेता बलिराम खरे की पहल पर ठाणे (पश्चिम) कोर्ट नाका स्थित गवर्नमेंट रेस्ट हाउस में आयोजित लोहार समाज एकीकरण की बैठक हुई। बैठक में वक्ताओं ने सामाजिक एकता पर जोर देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में लोहार समाज के सभी संगठनों को विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होना चाहिए। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा महाराष्ट्र अध्यक्ष व बारा बलुतेदार आंदोलन के नेता शंकर चुरागले ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समन्वय समिति के माध्यम से लोहार समाज के सामाजिक, रोजगार, शिक्षा व लोहार समाज की जनगणना जैसे मुद्दों पर काम किया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन रायगढ़ जिले के वरिष्ठ बुद्धिजीवी अण्णासाहेब जोशी ने किया। प्रतिनिधि मंडल लोहार समाज एकता के माध्यम से सरकार के समक्ष अपनी लंबित मांगों को रखेगा। इस अवसर पर दिलीप वासव, अण्णासाहेब जोशी, पत्रकार गंगाराम विश्वकर्मा, राजेश सोमवंशी, संजय कोलंबकर, अमोल माने, पद्माकर खंडागले, राजाराम कलसे, वृन्दावनी कलसे, राजेश मोरे, सुनील जाधव, रामनाथ मोरे, बलिराम खरे, अरुण कदम, अपर्णा कदम, संदीप मानवाचार्य, पांडुरंग सोनटक्के, अरुण गायकर, विजय गायकर, कृष्णकांत खरे, गणपत कदम, नरेश चौरे, सुदाम खारकर, अनंत उके, उत्तम बावडने, लक्ष्मण बावदाने, पुंडलिक सूर्यवंशी आदि ने विचार रखे। बैठक में नागपुर, संभाजी नगर, अमरावती, भुसावल, जालना, पुणे, सतारा, रत्नागिरी, रायगढ़, मुंबई, ठाणे आदि जिलों के लोहार समाज के संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

हुक्मचंद वर्मा को किया गया याद

जम्मू। विश्वकर्मा लाइब्रेरी न्यू प्लाट जम्मू की एक टीम जम्मू कश्मीर के जिला उधमपुर की तहसील रामनगर में नवनिर्मित विश्वकर्मा मंदिर में आयोजित एक शोकसभा में शामिल हुई। शोकसभा वरिष्ठ समाज सेवक स्वर्गीय हुक्मचंद वर्मा विश्वकर्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए रखी गई थी। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि हुक्मचंद वर्मा का जीवन विश्वकर्मा समाज के लिए समर्पित रहा। उन्होंने रामनगर के विश्वकर्मा मंदिर के लिए अपनी 4 मर्ले जमीन दान की थी। इसके अलावा 5 मर्ले जमीन रामनगर में शिक्षा संस्थान बनाने के लिए अलग से दान कर चुके हैं। इस अवसर पर लाईब्रेरी टीम ने विश्वकर्मा रिपोर्टर मैगजीन, कैलेंडर, कापियां व एक ज्योति मंदिर कमेटी के प्रधान जीवन कुमार धीमान को भेंट की। युवा नेता प्रीतम धीमान, डॉ. हीमांशिका वर्मा व दर्शन कुमार धीमान को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बलवंत कटारिया ने कहा कि रामनगर की विश्वकर्मा सभा दूरदराज के इलाकों में मैगजीन और कैलेंडर पहुंचाकर हमारे मिशन को आगे बढ़ा रही है, जो हमारे लिए करना बहुत मुश्किल है। आयोजकों में मास्टर हेमराज चाड़क प्रमुख थे। जम्मू से आई हुई टीम में जोगिंदर अंगोत्रा (इंचार्ज), ओम कटारिया व कृतिका कटारिया शामिल रहे।

ओबीसी नेताओं ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

जम्मू। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव व ओबीसी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष रशपाल वर्मा के नेतृत्व में ओबीसी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में एफ.सी सतिया, बलवंत कटारिया व केवल कृष्ण फोत्रा शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव को गंभीर मुद्दों/समस्याओं के बारे में जानकारी दी और शीघ्र समाधान के लिए दो मांगों का ज्ञापन सौंपा। पहले ज्ञापन में मांग की गई कि गलत प्रोफार्मा पर तहसीलदारों द्वारा जारी किए गए सभी ओबीसी प्रमाण पत्र वापस लिए जाएं और उन्हें सही प्रोफार्मा पर जारी किया जाए। दूसरे ज्ञापन में यह दोहराया गया कि ओबीसी जातियों में से चार में ग्रामीण टैग का मामला, जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा केंद्रीय सूची के सुधार के लिए कल्याण और अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली को

भेजा गया है, इसे सख्ती से आगे बढ़ाया जा जाए। मुख्य सचिव ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

रामसूरत विश्वकर्मा महासभा के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा मुंबई प्रदेश अध्यक्ष पद पर के समाजसेवी रामसूरत बाबूलाल विश्वकर्मा की नियुक्ति की गई है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष, यूपी के पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने रामसूरत विश्वकर्मा को संगठन का मुंबई प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। मुंबई प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर रामसूरत विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा के सभी पांच पुत्रों के साथ लेकर सभी सामाजिक संस्थाओं को संगठित कर समाज भागीदारी के लिए संघर्ष करूंगा। रामसूरत विश्वकर्मा को अध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर विश्वकर्मा समाज की संस्थाओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

उधार सामान नहीं देने पर हार्डवेयर व्यवसायी को मारी गोली

जौनपुर। सुइथाकला, सरपतहां थाना क्षेत्र के पट्टी नरेंद्रपुर बाजार स्थित खुटहन मार्ग पर हार्डवेयर व्यवसायी को गोली मारकर हमलावर फरार हो गए। बताया जाता है कि उधार सामान न देने पर यह वारदात की गई।

पट्टी नरेंद्रपुर निवासी लाल बहादुर सोनी की बाजार में हार्डवेयर, अलमारी व बक्से की तीन फर्म हैं। शाम को करीब सात बजे बाइक सवार बदमाशों ने सोनी को गोली मारकर फरार हो गए। आनन-फानन में लाल बहादुर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुटहन ले जाया गया। वहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

प्लाईवुड फैक्ट्री में बड़ा हादसा

यमुनानगर। जगाधरी स्थित प्लाईवुड फैक्ट्री में 33 वर्षीय श्रमिक कुरूडिया राम की चीपर मशीन में आने से दर्दनाक मौत हो गई। श्रमिक की मौत के बाद पुलिस को इस घटना के बारे में जानकारी दी गई। बताया जाता है कि इस फैक्ट्री में पहले भी ऐसे हादसे हो चुके हैं, लेकिन उसके बाद भी फैक्ट्री में कार्यरत ज्यादातर श्रमिकों के ईएसआई कार्ड तक नहीं बनाए गए हैं। किसी भी हादसे के बाद केवल मुआवजे और इलाज के नाम पर गरीब के लिए खाना पूर्ति कर दी जाती है।

चौथी मंजिल से गिरा कारपेंटर

भीलवाड़ा। कंस्ट्रक्शन साइट पर कार्य के दौरान चार मंजिला इमारत से गिरकर एक कारपेंटर की मौत हो गई। प्रताप नगर थाना क्षेत्र के आजाद नगर में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर कारपेंटर का काम कर रहा बी जॉन काम के दौरान अचानक चार मंजिला बिल्डिंग से गिर गया। उसे गंभीर हालत में महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मूलत कोलकाता का निवासी बी जॉन पिछले कुछ समय से भीलवाड़ा में कारपेंटर का काम कर रहा था।

Excellence in Security Hardware and Locking Solutions Award 2023

FROM THE DESK OF C.E.O.

Suzu Steel (India) is one of the leading Companies of India who pioneered in manufacturing of Locks & Door hardware Fittings. Suzu brand was established in 1986 under the guidance of Mr. Sushil Bansal and Mr. Brijbhushan Bansal from Rohtak (Haryana). The company has made tremendous progress in terms of adding manufacturing plants as well as penetrating market all over India. We are proud to see that Mr. Animesh Bansal, Director & Mr. Sachin Bansal, Director both are very progressive and positive about the future of SUZU brand in India. Their guiding force during last few years, company has developed more than 400 direct distributors and wholesalers catering to every corner of India and more than 20000 retailers where SUZU is providing quality products services. We are doing well into the Government , Builders & institutions sectors. During last 3-4 years company has expanded in various ranges in exports all over the world.

SUZU means Quality and appreciated in trade, Institutionals, Government Departments & International Client.

We are continuously improving our Quality, Services and multiplying our network worldwide.

We are aiming to give our presence within Top 4 Hardware brands of India in next 5 years time.

We sincerely thank all our clients, trade partners & consumers for patronizing SUZU brands for their needs of locks & door hardware items.

www.suzusteel.com | www.suzu.in | Find us on : Facebook Twitter Google Play App Store

विश्वकर्मा समाज को सपा ने दिया सम्मान

बस्ती। यूपी के पूर्व शिक्षा मंत्री व अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि आज के समय में जब विश्वकर्मा समाज के लोग पढ़ लिखकर डाक्टर, इंजीनियर, आई.ए.एस., पीसीएस बनने के लिये प्रयासरत हैं तो भाजपा की सरकार उन्हें टूल किट देकर श्रमिक ही बनाये रखना चाहती है। इन चालाकियों से विश्वकर्मा समाज के लोगों को सावधान रहना होगा।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा की ओर से बड़े वन के निकट स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित विश्वकर्मा चेतना सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की जब-जब सरकार बनी तो विश्वकर्मा समाज को पूरा सम्मान और सरकार में अवसर मिला किन्तु भाजपा की सरकार ने तो श्री विश्वकर्मा पूजा पर 17 सितंबर की छुट्टी ही समाप्त कर दिया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में आये शर्मा, विश्वकर्मा समाज के लोगों का आभार जताते हुए पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि शर्मा विश्वकर्मा की पहचान समाजवादी पार्टी ने बनायी लेकिन भाजपा शर्मा समाज की पहचान मिटा रही है। विश्वकर्मा ने सवाल किया हमारे समाज के लड़के कब आइएएस अफसर बनेंगे। बेहतर होता सरकार पीएम विश्वकर्मा योजना में विश्वकर्मा समाज के नौजवानों के हाथ में कंप्यूटर दे देती तो नौजवान सीधे रोजगार से जुड़ जाते। उन्होंने कहा कि समाजवादी नीतियां ही पिछड़ों और दलितों को उनका अधिकार दिला सकती है और उन्हें सत्ता तक ले जा सकती है। सभी को समाजवादी पार्टी को मजबूत करना होगा तब आपका भला होगा। पूर्व कैबिनेट मंत्री राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि आगामी लोकसभा के चुनाव में विश्वकर्मा समाज के लोग सपा का साथ दें, पार्टी सदैव उनके सुख दुःख में खड़ी रहेगी। समारोह की अध्यक्षता करते हुये अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिलाध्यक्ष बैजनाथ शर्मा ने कहा कि चेतना सम्मेलन में जो निर्णय लिये गये हैं उसका संदेश समूचे विश्वकर्मा समाज तक पहुंचाया जायेगा। विश्वकर्मा चेतना सम्मेलन में पूर्व विधायक राजमणि पांडेय, आर.डी. गोस्वामी, मंशाराम विश्वकर्मा, रामशंकर निराला, हरेश्याम विश्वकर्मा, रविन्द्र विश्वकर्मा, सजनलाल विश्वकर्मा, विजय शर्मा, कैलाश शर्मा, पारसनाथ विश्वकर्मा आदि ने भी संबोधित किया। विश्वकर्मा चेतना सम्मेलन में उदयराज विश्वकर्मा, परमात्मा शर्मा, ब्रम्हानन्द शर्मा, अशोक विश्वकर्मा, बीरू विश्वकर्मा, विन्देश्वरी विश्वकर्मा, श्यामजी विश्वकर्मा, भीम शर्मा, रामफेर शर्मा, अमर शर्मा, श्रीप्रकाश शर्मा, रूपेश विश्वकर्मा, लालचंद विश्वकर्मा, राजेश शर्मा, पवन शर्मा, राकेश शर्मा, अंबिका विश्वकर्मा, गीता विश्वकर्मा, शीला विश्वकर्मा आदि सहित विश्वकर्मा समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

OZONE®
FOR A SAFER WORLD
किचन एण्ड
फर्निचर फिटिंग्स
स्लिम
अर्गोटिक
ड्रावर सिस्टम
वेनिटी
पैंट्री
वाड्रोब
india WOOD
में हमसे मिलें।
22-26
Feb. 2024
Hall No - 3A
Stall No - J 114A
09310012300 | FOLLOW US ON
स्कैंन करें
प्रोड्क्ट विडियो
के लिए